नवोदय विद्यालय समिति

पूर्व परिषदीय प्रथम-सत्र परीक्षा 2021-22

कक्षा -10

विषय -हिंदी (085)

(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय - 90 मिनट **अधिकतम अंक -** 40

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र के तीन खंड हैं - खंड 'क','ख' और 'ग'।
- खंड 'क' में दो (2) प्रश्न हैं जिनके बीस (20) उपप्रश्न दिए गए हैं । प्रश्न के निर्देशानुसार केवल दस (10)उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ख' में चार (4) प्रश्न हैं तथा इन सभी के इक्कीस (21) उपप्रश्न हैं । इनमें से केवल सोलह (16) उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- खंड 'ग' में कुल तीन (3) प्रश्न हैं और इनके सभी चौदह (14) उपप्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

खंड 'क' अपठित गद्यांश (10 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दिए गए दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए । (1X5 = 5)

आप यदि इस गद्यांश को चुनते हैं तो कृपया अपनी उत्तर पुस्तिका में प्रश्न संख्या -1, गद्यांश-1 लिखें।

पैरालंपिक खेल सामान्य ओलंपिक से इस मायने में विशेष माने जाते हैं कि इनमें उन्हीं खिलाड़ियों का चयन किया जाता है, जो किसी वजह से अपना कोई अंग गंवा चुके होते हैं, चाहे वह दुर्घटनावश हो या जन्मजात। इन प्रतियोगिताओं में उनकी जीत को उनके मनोबल और हुनर की दृष्टि से आंकने की जरूरत होती है। ये खिलाड़ी सबसे पहले तो खुद से संघर्ष करके इस मनःस्थिति में पहुंचते हैं कि उन्हें खेलना है। फिर वे समाज की जड़ मानसिकता से लड़ते हैं, तब कहीं उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और दुनिया के खिलाड़ियों के साथ स्पर्धा में खड़ा होने का अवसर मिल पाता है।

पैरालंपिक में पहुँचने से पहले उन्हें खुद को तैयार करने के लिए पग-पग पर संघर्ष करना पड़ता है। इन खेलों की तैयारी के लिए जिस तरह के महंगे अत्याधुनिक संसाधनों की जरूरत पड़ती है, उन्हें जुटा पाना भी सबके वश की बात नहीं होती। फिर इन खेलों के लिए खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया भी कम कठिन नहीं होती। शारीरिक क्षमता के आधार पर इनका वर्गीकरण किया जाता है। इसके लिए अलग-अलग बिंदु तय हैं।

उन्हें भी उन्हीं स्टेडियमों में अभ्यास करना पड़ता है, जहाँ सामान्य ओलंपिक के खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। पैरालंपिक खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षकों का अभाव महसूस होता है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि

अगर उन्हें अच्छे प्रशिक्षक उपलब्ध हों, तो और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस बार के ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में पदक आने से सरकारें काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि इन खेलों से संबंधित शिकायतें भी जल्दी दूर होंगी और अगले दोनों ओलंपिक में भारत के खिलाड़ी नए कीर्तिमान बनाएंगे।

निम्नलिखित में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन करें।

1. पैरालंपिक्स में शामिल होने वाले खिलाड़ी विशेष होते हैं , क्योंकि वे -

(क) खेलने की इच्छा रखते हैं ।

(ख) खेल उनके जीवन का अंग नहीं होता ।

(ग) जन्मजात या दुर्घटनावश अंग गँवा चुके होते हैं ।

(घ) सामान्य ओलंपिक में देरी से पहुँचते हैं ।

2. ये खिलाड़ी किन दो स्तरों पर संघर्ष करते हैं ?

(क) राष्ट्र और राज्य की वर्तमान स्थिति से

(ख) व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और देश की प्रगति से

(ग) अशिक्षा और देशव्यापी अन्याय से

(घ) स्वयं और समाज की जड़ मानसिकता से

3. पैरालम्पिक्स के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के बारे में क्या सत्य है ?

(क) उनका प्रशिक्षण बेहद सरल और कहीं भी संपन्न हो सकने वाली क्रिया है ।

(ख) उन्हें प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक और महँगे साधनों की आवश्यकता होती है ।

(ग) उनके खेल के नियम और प्रशिक्षण के नियम अलग अलग हैं ।

(घ) उनके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता अत्यंत न्यून है ।

4. खेल विशेषज्ञ मानते हैं कि .....

(क) इन खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इन्हें अच्छे प्रशिक्षक प्रदान किए जाएँ ।

(ख) सरकारें खिलाड़ियों के पदक पाने से उत्साहित होती हैं ।

(ग) ये खिलाड़ी अपने जीवन में संघर्ष नहीं करते ।

(घ) शारीरिक क्षमता के आधार पर इनका वर्गीकरण हो और उसी आधार पर इन्हें खेलने को मिले ।

5. ओलंपिक और पैरालंपिक्स खेलों में पदक मिलने से सरकारें उत्साहित होती हैं । उनके इस उत्साह के बाद किस बात की संभावना बनती है ?

(क) इन खेलों में खेलने वाले खिलाड़ियों को कम सुविधा वाले मैदानों में खेलने दिया जाएगा ।

(ख) वर्षों से जैसी स्थिति चली आ रही है वैसी ही बनी रहेगी ।

(ग) खेल और खिलाड़ियों की शिकायतें दूर होंगी और खिलाड़ी नए कीर्तिमान बनाएँगे ।

अथवा

मुझे बचपन से ही मानचित्र देखने का शौक है क्योंकि मानचित्रों के सहारे भी दूर दुनिया की सैर का मज़ा लिया जा सकता है। यूँ तो वास्तविक जीवन में मैं काफी घूमा - फिरा हूँ, पर उससे कभी तृप्ति नहीं हुई। मेरी इस इच्छा ने अभी भी मेरा पीछा न छोड़ा है। मानचित्रों से यह फायदा होता है कि मन के घोड़े पर सवार होकर कहीं भी चले जाइए। कोई रोक नहीं, अड़चन नहीं, जब चाहे लौट आइए, या न भी लौटिए। कोई पूछने वाला नहीं कि हज़रत कहाँ भटक रहे थे? यों तो मानचित्रों से तरह तरह के रंगों से कुछ मदद मिलती है, यह निश्चय करने को कि कहाँ जाएँ ? जिसे हरी-भरी जगह देखनी हो वह मानचित्रों की हरी-भरी जगहों में घूमे, जिसे पहाड़ी प्रदेश देखने हो, वह भूरे या पीले प्रदेश में जाए और जिसे एकदम अछूते, अपरिचित प्रदेशों में जाने का जोख़िम पसंद हो वह बिलकुल सफ़ेद हिस्सों की ओर चले। बर्फीले मरू-प्रदेशों में, जंगलों में, समुद्र में, समुद्री-द्वीपों में कहीं भी जा सकते हैं। मानचित्रों में कहीं लिखा रहता है कि इस प्रदेश का सर्वे नहीं हुआ है - हिमालय के अनेक प्रदेश ऐसे हैं। असमिया-सीमा प्रदेशों में भी ऐसे स्थल हैं। ज़रा कल्पना कीजिए ऐसी जगहों में घूमने का आनंद! मैं लगातार कुछ दिन भी एक जगह रहता हूँ तो अपनी इच्छा से नहीं, लाचारी से और उस लाचारी में बहुत-से मानचित्र इकट्ठे कर फिर अपने लिए कोई नई जगह खोज लेता हूँ ।

1. लेखक के अनुसार मानचित्र देखने से क्या लाभ है ?

(क) देशों की पहचान हो जाती है (ख) जब तक चाहे घूमते रहना

(ग) मानसिक सैर का आनंद लेना (घ) उपर्युक्त सभी

2. मानचित्र में रंगों से क्या मदद मिलती है ?

(क) रंगों से स्थिति पता चलती है । (ख) मनचाही जगह चुनने में मदद मिलती है ।

(ग) अपरिचित प्रदेश दिख जाते हैं । (घ) सब जगह पहुँच जाते हैं ।

3. मानचित्र का भूरा या पीला रंग किस प्रदेश को दर्शाता है ?

(क) पहाड़ी प्रदेश को (ख) अपरिचित प्रदेशों को

(ग) हरी - भरी जगह को (घ) इनमें से कोई नहीं

4. मानचित्र के अनुसार किन स्थलों का सर्वे नहीं हुआ है ?

(क) कर्नाटक के कुछ स्थलों का (ख) असमिया सीमा-प्रदेश के स्थलों का

(ग) राजस्थान के मरु-प्रदेशों का (घ) समुद्री द्वीपों का

5. लेखक कई दिन तक एक जगह क्यों नहीं रुक पाते ?

(क) मानचित्र इकट्ठे करने की लाचारी से (ख) मानचित्र के रंगों से परेशान हो जाने से

(ग) अपनी घुमक्कड़ प्रकृति के कारण (घ) लोगों से परेशान होने से

प्रश्न 2. नीचे दिए गए दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये। (1X5 = 5)

दक्षिण में एक ऐसा गाँव है, जहां बड़े बोर्ड पर लिखा है कि आप दहेज मुक्त क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। केरल के गाँव निलांबुर के लोगों ने अपने समाज में क्रांति ला दी है। सात साल पहले तक इस गाँव

के एक तिहाई लोग अपनी बेटियों की शादी के लिए अपने घर तक बेचने पर मजबूर थे, बेघर होने लगे थे। तब वहाँ की पंचायत ने गहराई से इस समस्या पर विचार किया। इस गांव में हर महीने लगभग साठ विवाह होते हैं, जिनमें दहेज पर तीन-चार लाख रुपए खर्च आता है। जो दहेज नहीं दे सकते थे, उनकी बेटियों की शादी नहीं हो पाती थी। जिन लोगों ने अपनी बेटियों का विवाह किया था, वे चालीस प्रतिशत के करीब थे और सब के सब दिवालिया हो चुके थे। जो बेटियों का विवाह करके कंगाल हो चुके थे, वे अपने बेटों की शादी में दहेज की मांग करते थे। जो संबंध बहुत पवित्र और दो परिवारों के बीच की कड़ी होना चाहिए, उसमें व्यापार की तरह का गुणा-भाग होने लगा था।

निलांबुर नगर पालिका के अध्यक्ष के अनुसार 2009 में एक अभियान के तहत यह निर्णय किया गया कि निलांबुर को दहेज मुक्त गाँव बनाना है। इस संबंध में गांव में लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें उन्हें समझाया गया कि अगर वे दहेज लेते रहेंगे तो निलांबुर गाँव का अंत हो जाएगा। धीरे-धीरे लोगों को समझ आने लगा। इसके खिलाफ लोग एक होने लगे तो अधिकतर लोग उनका साथ देने निकल पड़े। इस प्रकार निलांबुर गांव में लोग दिल से दहेज प्रथा के विरुद्ध एकजुट होते चले गए।

1. निलांबुर गाँव में बड़े बोर्ड पर दहेज मुक्त क्षेत्र लिखा हुआ है, इसका आशय निम्न में से क्या है?

(क) गाँव में विवाह के समय कन्या पक्ष से धन लिया जाता है

(ख) वहाँ दहेज लेना मना है

(ग) वहाँ वर-वधू माता-पिता की अनुमति से विवाह करते हैं

(घ) वहाँ विवाह के लिए खूब सारा धन आवश्यक होता है

2. वर्ष 2009 में निलांबुर नगर पालिका ने क्या निर्णय लिया?

(क) समूचे क्षेत्र को हरित पट्टी के रूप में विकसित करना है

(ख) निलांबुर को दहेज मुक्त गाँव बनाना है

(ग) वहाँ अस्पताल खोलना है ताकि दहेज लेने वालों का इलाज़ हो सके

(घ) स्वच्छता सर्वेक्षण में सर्वश्रेष्ठ बनाना है

3. गाँव के लोगों को जागरूक बनाने के लिए … … … … … … … … … . आयोजित.....तथा ..... के कुप्रभाव के बारे में समझाया गया ।

(क) विद्यालय, सभा

(ख) वर-वधू, माता -पिता

(ग) कार्यशाला, दहेज

(घ) लेन-देन, नगरपालिका

4. निलांबुर में होने वाले विवाहों में दहेज के लेन-देन से क्या नुकसान हुए ?

(क) विवाह में तीन - चार लाख रुपय खर्च हो जाते थे

(ख) कई परिवार दिवालिया हो गए

(ग) दहेज न दे सकने वालों की बेटियों के विवाह नहीं हुए

(घ) उपरोक्त सभी

5. गाँव में दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान में सभी का समर्थन मिला, क्योंकि -

(क) हर परिवार दहेज की समस्या से पीड़ित रहता था

(ख) विवाह के माध्यम से धन प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध हुआ

(ग) वर-वधू को आशीर्वाद देने वालों में कमी आने लगी थी

(घ) जीवन में दहेज एक आवश्यक अच्छाई का रूप ले चुका था

अथवा

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में यादों की लंबी फेहरिस्त होती है। इन यादों में सफलता-असफलता, सुख-दुःख शामिल रहता है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी यादों को लेकर संजीदा है। अच्छे बुरे दिन और यादों की तुलना करना भी ठीक है क्योंकि अच्छे बुरे दिनों की यादों को एक साथ ढोने से नुकसान और जगहँसाई दोनों ही होती है। वहीं दूसरी तरफ अगर आप सपनों की बात करें तो वे बेहद अपने होते हैं और यह बात सच है कि यदि आपने अपनी यादों को सपनों से बड़ा कर दिया तब आप कभी भी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

गौतम काफी होशियार थे और अच्छे वेतन वाली नौकरी भी करते थे। वे घर से भी काफी संपन्न थे और उनके परिवार की गिनती शहर के अमीर परिवारों में होती थी।

ऑफिस में वे जब भी अपनी पोटली खोलकर बैठ जाते मित्र-मंडली की यादों की बातचीत करते। 'हमने इतने देशों की यात्रा की और हमने इस होटल में इतने दिन बिताएँ हैं।' पढ़ाई की बात आने पर वे अपने स्कूल से लेकर कॉलेज तक की बाते लेकर बैठ जाते थे। बाकी सभी लोग इस कारण कुछ नहीं कह पाते थे क्योंकि उन सबकी यादों में इतना सुनहरापन नहीं था। इससे हुआ यह कि अब जब भी गौतम अपनी यादों को लेकर बैठते तो बाकी सभी लोग इधर-उधर हो जाते।

कुछ समय बाद ऑफिस में एक युवा साथी का आगमन हुआ। उसे इस बात का बिल्कुल भी पता नहीं था कि गौतम अक्सर अपनी यादों की दास्तान सुनाने बैठ जाते हैं। उसने पहली बार इनकी बात सुनी। जब उनके साथ दो-तीन बार ऐसा हुआ तो उनसे रहा नहीं गया और उन्होने कह दिया कि यादों को रहने दो और वर्तमान में जियो और सबसे अच्छी बात यह होगी कि आगे बढने के सपने देखो तभी तरक्की होगी।

यह बात गौतम को चुभ गई और जब वे घर पर गए तब इस बात पर गंभीरता से विचार किया। उनके मन में यह बात घर कर गई कि कुछ नया करना चाहिए। इसी विचार ने उनके मन में नए सपनों को जन्म दिया और जब दूसरे दिन वे ऑफिस पहुंचे तब बिलकुल बदले से नजर आ रहे थे और यादों से पूर्ण रूप से बाहर भी निकल चुके थे। उन्हें अब आगे बढ़ना था और भविष्य के लिए सपनों को गढ़ना था।

1. निम्न में से यादों को लगातार अपने साथ ढोने के परिणाम को चुनें -

(क) दूसरों के सामने अपना मज़ाक बनता है और नुकसान उठाना पड़ता है

(ख) नई नई बातें सीखते हैं

(ग) जीवन में बहुत लाभ होते हैं साथ ही नए मित्रों के बनने की संभावना होती है

(घ) समय के साथ चलने की स्वतन्त्रता प्राप्त होती है

2. गौतम अपने कार्यालय में खास किस्म की बातें किया करते थे , वह है -

(क) ऐसी बातें जिसमें सभी बढ़-चढ़कर भाग ले सकें

(ख) कार्याक्षेत्र में मिलने वाली सफलता के तरीकों की बातें

(ग) वे अपने जीवन की पुरानी बातों को लेकर बैठ जाते

(घ) मध्यांतर और चाय के विश्राम के समय खेले जाने वाले खेलों की बातें

3. ऑफिस के बाकी लोग गौतम की बातें सुनकर इधर-उधर क्यों हो जाते थे?

(क) उनकी बातें गौतम की बातों से अधिक महत्वपूर्ण थी

(ख) उनकी यादें गौतम के समान सुंदर और सुनहरी नहीं थी

(ग) उनके बचपन की यादों में गौतम की स्मृतियाँ घुलिमिली थी

(घ) कार्यालय में वे अपनी व्यक्तिगत बातें करना पसंद नहीं करते थे

4. ऑफिस के युवा साथी से गौतम को जीवन के बारे में बड़ी शिक्षा मिली, जो है -

(क) जीवन में सफलता यादों के सहारे जीने में ही मिलती है

(ख) तरक्की के लिए आवश्यक है कि पुरानी बातों को बार-बार दोहराया जाए

(ग) सबको साथ लेकर चलना एक हीन विचार है

(घ) वर्तमान में जीने और आगे बढ़ने के लिए सपने देखने से सफलता सुनिश्चित होती है

5. यादों से बाहर निकलना क्यों आवश्यक है ?

(क) यादों के सहारे जीवन आगे नहीं बढ़ता है

(ख) सफलता के लिए वर्तमान और भविष्य के बारे में सोचना आवश्यक है

(ग) उनमें जीवन को रोके रखने की संभावना छिपी होती है

(घ) उपर्युक्त सभी

खंड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 3 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें । (1x4=4)

1. 'मीरा की बड़ी बहन राधा आज नहीं आएगी' रेखांकित पदबंध का नाम बताएँ ।

(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

2. विशेषण पदबंध के उदाहरण के लिए उचित रेखांकित पदबंध चुनें।

(क) राखी मेहनती और समझदार विद्यार्थी है । (ख) राखी मेहनती और समझदार विद्यार्थी है ।

(ग) राखी मेहनती और समझदार विद्यार्थी है । (घ) राखी मेहनती और समझदार विद्यार्थी है ।

3. 'वह गीत गाते हुए रोने लगा' में रेखांकित पदबंध का भेद बताइये।

(क) क्रिया पदबंध (ख) क्रिया विशेषण पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

4. 'रोमा, रानी के साथ सड़क पर चलती रही' में रेखांकित पदबंध का प्रकार है-

(क) क्रिया पदबंध (ख) क्रिया विशेषण पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

5. 'उसकी व्याकुल आँखें कुछ ढूँढने में व्यस्त थी।' में रेखांकित पदबंध का भेद है-

(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें (1x4=4)

1. 'सूरज के निकलते ही फूल खिल उठे' का संयुक्त वाक्य होगा -

(क) सूरज निकलकर फूल खिला ।

(ख) जब सूरज निकला तब फूल खिले ।

(ग) सूरज निकला और फूल खिल उठे ।

(घ) क्योंकि सूरज निकला इसलिए फूल खिल उठे ।

2. 'निधि रात भर पढ़कर परीक्षा देने की तैयारी करती है' रचना के आधार पर कौन सा वाक्य है?

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) मिश्र-संयुक्त

3. 'राहुल किताब लेकर चला गया' का मिश्र वाक्य कौन सा है?

(क) राहुल आया और किताब लेकर गया ।

(ख) राहुल तब चला गया जब उसने किताब लिया ।

(ग) राहुल ने किताब नहीं लिया ।

(घ) राहुल के आने से पहले ही कोई किताब लेकर चला गया ।

4. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य चुनिये ।

(क) विकास के घर जाने पर मेरा आदर-सत्कार हुआ ।

(ख) मैं विकास के घर गया और मेरा आदर-सत्कार हुआ

(ग) विकास के घर पर मेरा आदर-सत्कार हुआ

(घ) जब भी मैं विकास के घर गया, मेरा आदर-सत्कार हुआ ।

5. 'अब्दुल ने केक काटा और और सबको बाँट दिया' का सरल वाक्य कौन सा होगा -

(क) जब अब्दुल ने केक काटा तब सबको बाँट दिया ।

(ख) अब्दुल ने केक काटकर सबको बाँट दिया ।

(ग) अब्दुल ने केक काटा फिर सबको बाँट दिया ।

(घ) इनमें से कोई नहीं ।

प्रश्न 5 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये । (1x4=4)

1. 'यथाशक्ति' शब्द किस समास का उदाहरण है -

(क) कर्मधारय (ख) बहुव्रीही

(ग) अव्ययीभाव (घ) तत्पुरुष

2. 'विद्यालय' शब्द के सही समास विग्रह का चयन करें ।

(क) विद्या का आलय - तत्पुरुष (ख) विद्या से आलय - तत्पुरुष

(ग) विद्या को आलय - तत्पुरुष (घ) विद्या पर आलय - तत्पुरुष

3. 'जीवन भर' का समस्त पद है

(क) जीवन और मृत्यु (ख) जीवन से पहले

(ग) आजीवन (घ) निर्जीव

4. 'चौराहा' शब्द के लिए सही समास विग्रह का चयन करें

(क) चार का रास्ता - तत्पुरुष (ख) चार और रास्ता - द्वंद्व

(ग) चार है जो रास्ता - बहुव्रीहि (घ) चार रास्तों का समाहार - द्विगु

5. 'लंबा है उदर जिसका लंबोदर अर्थात गणेश' किस समास का उदाहरण है?

(क) तत्पुरुष (ख) बहुव्रीहि

(ग) कर्मधारय (घ) द्विगु

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें । (1x4=4)

1. 'अंधे के हाथ बटेर लगना' मुहावरे का अर्थ है -

(क) हाथ से बटेर पकड़ना (ख) उचित फल मिलना

(ग) अंधे व्यक्ति का काम (घ) भाग्यवश सफल हो जाना

2.भाई साहब का वह रौद्र-रूप देखकर मेरे ..... । रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से करें।

(क) प्राण सूख जाते (ख) रोना आ जाता

(ग) जान लगा देते (घ) बाजी लगा देते

3. 'ज़मीन पर पाँव न रखना' मुहावरे का सही अर्थ है -

(क) कुछ न करना (ख) बहुत खुश हो जाना

(ग) भयभीत होना (घ) सफल होना

4. छोटे भाई को बाहर आवारा लड़कों के साथ खेलता देख बड़े भाई ..... । रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से करें

(क) रो पड़े (ख) उनकी आँखों में आँसू आ गए

(ग) आग बबूला हो उठे (घ) जान की बाजी लगा दी

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक

प्रश्न 7. नीचे दिये गए काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें । (1x4=4)

मोर मुगट पीताम्बर सौहे , गल वैजन्ती माला।

बिन्दरावन में धेनु चरावे , मोहन मुरली वाला।

ऊँचा ऊँचा महल बनावँ बिच बिच राखूँ बारी।

साँवरिया रा दरसण पास्यूँ ,पहर कुसुम्बी साड़ी।

आधी रात प्रभु दरसण ,दीज्यो जमनाजी रे तीरा।

मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर , हिवड़ो घणो अधीरा।

1. मीरा कृष्ण का परिचय किस प्रकार देती हैं ?

(क) उसने पीले वस्त्र पहन रखे हैं

(ख) उसके गले में वैजन्ती माला है

(ग) वह वृन्दावन में गाय चराता है

(घ) उपरोक्त सभी

2. कुसुंबी साड़ी पहनकर मीरा क्या करना चाहती है ?

(क) कृष्ण के बाग की रक्षा

(ख) उनके घर की सफाई

(ग) कृष्ण का दर्शन

(घ) कृष्ण की लीला का गायन

3. 'हिवड़ो घणो अधीरा' का क्या आशय है?

(क) मीरा के हृदय में कृष्ण से मिलने की उत्कट इच्छा

(ख) उनके हृदय में छाया हुआ अंधेरा

(ग) मोहन मुरली वाले की अधीरता

(घ) घनघोर अंधेरा ।

4.मीरा कृष्ण से मिलने का एक समय तय करती है। इस काव्यांश के आधार पर वह कौन-सा समय है?

(क) दोपहर

(ख) अर्धरात्रि

(ग) गोधूलि बेला

(घ) दिवसावसान के समय

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें । (1x5=5)

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया । बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता । उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थी। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किन्तु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किन्तु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन - साथी के बारे में सोचती रही थी। किन्तु एक दूसरे गाँव के युवक एक साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किन्तु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

1. वामीरो ने अपने मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया, पद्यांश के आधार पर इसका कारण है

(क) वह पुनः गीत गाना चाहती थी

(ख) वह तताँरा की ओर से अपना ध्यान हटाना चाह रही थी

(ग) उसका मन शांत था

(घ) उसे समुद्र तट से लौट आने का क्षोभ था

2. इस गद्यांश के आधार पर तताँरा का रूप कैसा बनता है?

(क) सुंदर

(ख) बलिष्ठ

(ग) सभ्य

(घ) उपरोक्त सभी

3. इस पद्यांश में वामीरो के भावी जीवन साथी की एक काल्पनिक छवि का पता चलता है। वह निम्न में से कौन सी है?

(क) तताँरा के व्यक्तित्व जैसा

(ख) क्रोधी और आलसी

(ग) स्वप्नजीवी

(घ) दूसरों को कष्ट देने वाला

4. वामीरो के सम्मुख तताँरा किस रूप में आया?

(क) बलशाली हाथी के रूप में

(ख) क्रोधी युवक के रूप में

(ग) सबको प्रताड़ित करने वाले के रूप में

(घ) शांत, सभ्य और भोले रूप में

5. वामीरो को जीवन साथी के रूप में तताँरा का खयाल मन से क्यों निकालना पड़ा, इस पद्यांश के आधार पर उत्तर दें ।

(क) तताँरा उससे उम्र में छोटा था

(ख) दूसरे गाँव के युवक से प्रेम करना परंपरा के विरुद्ध था

(ग) वामीरो को तताँरा पसंद नहीं था

(घ) दोनों एक ही गाँव के थे

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें । (1x5=5)

कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे । बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था । पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटी, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूँ बैठ गया । फिर खड़ा हो गया ... जब खड़े रहने की जगह कम पड़ गयी तो उसे गुस्सा आ गया । जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है । परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है , और यही हुआ , उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाजों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया । एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा दूसरा बांद्रा के कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेटवे ऑफ इंडिया पर टूट - टूटकर सैलानियों का नज़ारा बना । बावजूद कोशिश वे फिर से चलने फिरने के क़ाबिल नहीं हो सके।

1. समंदर क्यों सिमटता जा रहा था?

(क) पानी कम होते जाने के कारण

(ख) सुनामी आने के कारण

(ग) बिल्डर द्वारा ज़मीन हथिया लिए जाने के कारण

(घ) जहाजों के चलने के कारण

2. समंदर के सिमटने की क्रमबद्ध प्रक्रिया क्या रही?

(क) फैली हुई टाँगें समेटना - सिमटकर बैठना - उकड़ूँ बैठना - खड़ा हो जाना

(ख) सिमटकर बैठना - उकड़ूँ बैठना - खड़ा हो जाना - फैली हुई टाँगें समेटना

(ग) खड़ा हो जाना - सिमटकर बैठना - उकड़ूँ बैठना - फैली हुई टाँगें समेटना

(घ) उकड़ूँ बैठना - फैली हुई टाँगें समेटना - खड़ा हो जाना - सिमटकर बैठना

3. 'जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है' यह वाक्य किसके लिए प्रयोग में आया है?

(क) बिल्डर (ख) समंदर (ग) जहाज (घ) मुंबई

4. इस गद्यांश में जहाजों को 'बच्चों की गेंद'क्यों कहा गया है ?

(क) समंदर के लिए वे उतने ही छोटे हैं जितने कि बच्चों की गेंद

(ख) समंदर जहाजों को बहुत आदान -प्रदान करता है

(ग) जहाज समंदर में बच्चों के गेंद की तरह डूब जाती है

(घ) जहाज समंदर के साथ खेलना चाहते हैं

5. हमें कैसे पता चलता है कि प्रकृति ने समंदर के साथ किए जा रहे बुरे व्यवहार का बदला बहुत ख़तरनाक तरीके से लिया ?

(क) समंदर के भीतर जहाजों पर सैलानी आ गए

(ख) समंदर की ज़मीन छीन ली गयी

(ग) समंदर में बहुत पानी आ गया

(घ) समंदर की लहरों पर तैरते तीन जहाजों को तीन अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया।

* * *